Sophia College for Women (Autonomous)

Affiliated to the University of Mumbai

Department of Hindi

Program: FYBA

Hindi (Semester I and II)

COURSE Title: Compulsory Hindi

Subject de – SBAHIN101/ SBAHIN201

COURSE OBJECTIVES

1.	अनिवार्य हिंदी पत्र में विद्यार्थी को हिंदी के आधुनिक काव्य, कहानियों और व्याकरण के माध्यम से भाषा और साहित्य का संस्कार देना।
2.	हिंदी कविताओं में मैथिली शरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, निराला, महादेवी वर्मा, सुभद्राकुमारी चौहान, नागार्जुन, हरिवंशराय बच्चन, नीरज आदि के ज़रिए विद्यार्थी को हिंदी की काव्य परंपरा और उसके विराट सौंदर्य से जोड़ना।
3.	महान लेखक प्रेमचंद से लेकर अमरकान्त तक की कहानियों के ज़रिए विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों के विकास के साथ- साथ सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक विसंगतियों और समस्याओं के आकलन की क्षमता निर्माण करना | कहानी और कविताएँ अपने समय और समाज का भी दस्तावेज होती हैं, इस सत्य से भी विद्यार्थियों को अवगत कराना।
4	व्याकरण के अलग-अलग विषयों का अभ्यास कराना ताकि भाषागत अशुद्धियां दूर हो सकें और विद्यार्थी शुद्ध लेखन, वाचन कर सकें।
5.	हिंदी कविताओं में शमशेर बहादुर सिंह, केदारनाथ अग्रवाल, धूमिल और केदारनाथ सिंह आदि के ज़रिए विद्यार्थी को हिंदी की काव्य परंपरा और उसके विराट सौंदर्य से जोड़ना।
6.	उषा प्रियंवदा, मन्नू भंडारी, कृष्णा सोबती आदि महिला कहानीकारों और रांगेय राघव से लेकर ओम प्रकाश वाल्मीकि तक की कहानियों के ज़रिए विद्यार्थी में भाषा संस्कार के संग जीवन और साहित्य की समझ देना।
7.	व्याकरण के अलग अलग विषयों का अभ्यास कराना ताकि भाषागत अशुद्धियां दूर हो सकें और विद्यार्थी शुद्ध लेखन, वाचन कर सकें।

COURSE LEARNING OUTMES:

1.	कविताओं के वाचन और व्याख्या के उपरांत विद्यार्थी न केवल हिंदी के बड़े कवियों से परिचित हो जाएंगे बल्कि जीवन के विभिन्न दृष्टिकोणों, अनुभवों, विचारबिंदुओं, छवियों, संवेदनाओं को महसूस करने में भी सक्षम हो जायेंगे।

2.	प्रेमचंद से लेकर अमरकांत तक अनेकों कथाकारों की कथाओं में डूब कर विद्यार्थी जीवन की अनेक समस्याओं, मानवीय स्वप्नों, त्रासदियों, दृष्टिबिन्दुओं को समझकर अपनी चेतना का विस्तार करेंगे |
3.	विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, लिंग, वचन, मुहावरों, लोकोक्तियों, पर्यायवाची और विलोम शब्दों के संज्ञान से भाषा की परिपूर्णता, परिशुद्धता और कौशल की तरफ अग्रेसर होंगे और भाषा प्रयोग में भी सहज ही कुशल हो जाएंगे।
4.	कथाकारों की कथाओं में डूब कर विद्यार्थी जीवन की अनेक समस्याओं, मानवीय स्वप्नों, त्रासदियों, दृष्टिबिन्दुओं को समझकर अपनी चेतना का विस्तार करेंगे और भाषा प्रयोग में भी सहज ही कुशल हो जाएंगे।
5.	निबंध और भाषा दक्षता के संज्ञान से भाषा की परिपूर्णता, परिशुद्धता और कौशल की तरफ अग्रसर होंगे।

Sophia College for Women (Autonomous)

Affiliated to the University of Mumbai

Program: FYBA HINDI ANCILLARY

HINDI (Semester I AND II)

COURSE Title: HINDI ANCILLARY

Subject de – SBAHIL101/ SBAHIL201

COURSE OBJECTIVES

1.	प्रतिनिधि दस कहानियों में हिंदी के अमर कथाकारों की अमर कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों को मानवीय संवेदना की गहराइयों में उतारना और जीवन को भी उसी संवेदना से पढ़ने का संस्कार देना |
2.	हिंदी के प्रमुख रचनाकार कमलेश्वर, यशपाल, भुवनेश्वर, कमलेश्वर , स्वयं प्रकाश, उदयप्रकाश जैसे कथाकारों के व्यक्तित्व से साक्षात्कार कराना और कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों एवं सामाजिकता का विकास करना |
3.	हिंदी साहित्य की अन्य गद्य विधाएँ जैसे रेखाचित्र, व्यंग्य, आत्मकथा, एकांकी, संस्मरण, निबंध तथा रिपोर्ताज आदि का सामान्य परिचय करना और प्रसिद्ध गद्यकारों का परिचय करना, रचनात्मक लेखन का विकास करना |
4.	हिंदी साहित्य की अन्य गद्य विधाएँ; संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त, पत्र, डायरी आदि का सामान्य परिचय करना तथा प्रसिद्द गद्यकारों का परिचय करना, रचनात्मक लेखन का विकास करना |
5.	उपन्यास 'पचपन खम्भे लाल दीवारें' और उपन्यास की लेखिका उषा प्रियंवदा के परिचय के साथ-साथ मूल्यांकन क्षमता का विकास करना और उपन्यास के पात्रों के माध्यम से विद्यार्थियों में महान चारित्रिक गुणों का विकास करना |
6.	हिंदी साहित्य की उपन्यास विधा तथा गदय विविधा के माध्यम से विद्यार्थियों में मूल्यांकन क्षमता बढ़ाना और वैचारिक दृष्टिकोण का निर्माण करना |

COURSE LEARNING OUTMES:

1.	प्रथम वर्ष बी.ए. हिंदी प्रश्न-पत्र के अंतर्गत दस प्रतिनिधि कहानियों के पठन - पाठन से विद्यार्थियों में सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक व सांस्कृतिक भावना जागृत होगी तथा बौद्धिक विकास होगा, ज्ञानात्मक आधार पुष्ट होगा और विद्यार्थियों में रसास्वादन के कौशल का विकास होगा|
2.	प्रथम वर्ष बी.ए. हिंदी प्रश्न-पत्र के अंतर्गत गद्य के विविध रूप संस्मरण, व्यंग्य, कहानी, जीवनी, एकांकी आदि पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी की विविध विधाओं से परिचित होंगे तथा लेखन कौशल का विकास होगा |
3	विद्यार्थियों में मूल्यांकन करने की क्षमता निर्माण होगी और वैचारिक दृष्टिकोण निर्माण होगा एवं राजनैतिक, सांस्कृतिक, पारिवारिक, सामाजिक तथा नैतिक मूल्यों का विकास होगा |
4.	प्रथम वर्ष बी.ए. हिंदी प्रश्न पत्र के अंतर्गत हिंदी उपन्यास एवं अन्य गद्य विधाएँ पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी की उपन्यास एवं अन्य गद्य विधाओं से परिचित होंगे |

5.	हिंदी उपन्यास एवं अन्य गद्य विधाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में वैचारिक मूल्यांकन करने की क्षमता निर्माण होगा और राजनैतिक, सांस्कृतिक, पारिवारिक, सामाजिक तथा नैतिक मूल्यों का विकास होगा |
6	उपन्यास एवं अन्य गद्य विधाओं को पढ़ने से विद्यार्थियों में पारिवारिक संबंधों में सामंजस्य स्थापित करने की क्षमता तथा समझ का विकास होगा | हिन्दी साहित्य के उपन्यास तथा अन्य विधाओं के प्रति रूचि निर्माण होगी |

Sophia College for Women (Autonomous)

Affiliated to the University of Mumbai

Program: SYBA

HINDI (Semester III & IV)

COURSE Title: मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य / आधुनिक हिंदी गद्य Paper II

Subject de – SBAHIL301/ SBAHIL 401

COURSE OBJECTIVES

1.	विद्यार्थी को मध्यकाल से लेकर आधुनिकतम हिंदी कवियों की कविताओं के ज़रिए हिंदी काव्य से अंतरंग साक्षात्कार करवाना।
2.	मध्यकालीन भक्ति और रीति की काव्यधाराओं को कबीर, तुलसी, बिहारी आदि के काव्य के माध्यम से स्पष्ट करना तथा आधुनिकता बोध को दिनकर, त्रिलोचन, केदारनाथ सिंह, ज्ञानेद्रपति, उदयप्रकाश, मगलेश डबराल तथा कुंवर नारायण के काव्य से स्पष्ट करना।
3.	परशुराम की प्रतीक्षा काव्य के माध्यम से विद्यार्थियों में मूल्यांकन क्षमता एवं नैतिकता निर्माण करना |
4.	कुँवरनारायण की प्रतिनिधि कविताओं के माध्यम से आधुनिक कविताओं से परिचय करवाना एवं मानवीय मूल्यों का निर्माण करना |
5.	ममता कालिया के लघु उपन्यास दौड़ के माध्यम से 1990 के बाद के सामाजिक और मूल्यगत परिवर्तनों की व्याख्या करना।
6	इस पत्र के दूसरे प्रखंड में शंकर शेष के नाटक 'एक और द्रोणाचार्य' के माध्यम से शिक्षा के संदर्भ में टूटते, बिखरते आदर्शों के मूल कारणों को समझाना।
7	उपन्यास एवं नाटक विधा से परिचित होने पर विद्यार्थी सृजनात्मक लेखन की और अग्रेसर करना, साथ ही उनके तत्वों को समझाकर रचनाओं के मध्य का अंतर समझाना |

COURSE LEARNING OUTMES:

1.	मध्यकालीन काव्य एवं आधुनिक कवियों की कविताओं को पढ़कर विद्यार्थी हिंदी काव्य परम्परा के विहंगम दृश्य से परिचित होंगे ।।
2.	कबीर, तुलसी, सूरदास आदि कवियों के विषयों को समझकर वे मध्यकालीन और आधुनिक चितवृत्तियों को, उनके विकास को मूर्त रूप में अनुभव कर पाएंगे।
3.	परशुराम की प्रतीक्षा काव्य के माध्यम से एक संवेदनशील व्यक्ति के नैतिक संघर्ष का साक्षात्कार कर पाएंगे।
4.	कुँवरनारायण की प्रतिनिधि कविताओं के माध्यम से आधुनिक कविताओं से परिचय एवं मानवीय मूल्यों का निर्माण होगा |

5.	'दौड़ उपन्यास के माध्यम से विद्यार्थियों में बाज़ार के दबाव-समूह, उनके परोक्ष-अपरोक्ष तनाव, आक्रमण और निर्ममता तथा अंधी दौड़ में नष्ट होते मनुष्य की संवेदना को समझने की क्षमता निर्माण होगी |
6 .	शंकर शेष के नाटक के माध्यम से वे जीवन के कटु यथार्थ से वे परिचित होंगे और एक संवेदनशील व्यक्ति के नैतिक संघर्ष का साक्षात्कार कर पाएंगे।
7	उपन्यास एवं नाटक विधा से परिचित होने पर विद्यार्थी सृजनात्मक लेखन की और अग्रेसर होंगे, साथ ही उनके तत्वों को समझाकर रचनाओं के मध्य का अंतर समझेंगे |

Sophia College for Women (Autonomous)

Affiliated to the University of Mumbai

Program: SYBA

HINDI (Semester III/IV)

COURSE Title: प्रयोजनमूलक हिंदी / जनसंचार माध्यम Paper III

Subject de – SBAHIL302/ SBAHIL402

COURSE OBJECTIVES

1.	प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा को एक ओर सामान्य बोलचाल की और दूसरी ओर साहित्यिक हिंदी से अलगाना, हिंदी के अन्य विशिष्ट प्रयोग (मीडिया, बैंक, रेलवे, प्रशासन, कानून, चिकित्सा, तकनीक, विज्ञान आदि) स्पष्ट हो सकें।
2.	भाषा के अनुवाद के अलग रूपों का परिचय देना और अनुवाद कला की ओर विद्यार्थी को अग्रेसर करना।
3.	विज्ञापन के माध्यम से विद्यार्थियों को विज्ञापन कला सिखाना और विज्ञापन क्षेत्र में रोजगार के प्रति परिचित करना |
4.	विविध जनसंचार माध्यमों से परिचय करना और नए संचार माध्यमों के विभिन्न प्रारूपों से जैसे कि लिखित, ऑडियो, वीडियो, चैट आदि से परिचित करना |
5.	जनसंचार माध्यम जैसे - समाचार पत्र, रेडियो, सिनेमा, टेलीविजन, इंटरनेट तथा मोबाईल आदि में लेखन कौशल का विकास करना |
6.	जनसंचार माध्यमों में हिंदी भाषा के प्रयोग को समझना और उनके महत्व से परिचय करना |
7.	संवैधानिक मौलिक अधिकार एवं सूचना का अधिकार अधिनियम की जानकारी देना और अपने अधिकारों के प्रति सजग करना |

COURSE LEARNING OUTMES:

1.	प्रयोजनमूलक हिंदी के इस पत्र को पढ़ने के उपरांत विद्यार्थी हिंदी से जुड़े रोज़गार के विभिन्न क्षेत्रों के प्रति सचेत हो जाएंगे और उस दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे।
2.	विज्ञापन और अनुवाद के संसार की अपार सम्भावनाओं को आज़मा सकेंगे साथ ही लेखन, संपादन, प्रकाशन, और अनुवाद के क्षेत्र में हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर पाने में सक्षम होंगे |
3.	एक ओर पत्रकारिता तो दूसरी ओर मीडिया लेखन या वाचन की ओर विद्यार्थी जाने की सोच पाएँगे, क्योकि उनके पास इन विषयों की मूलभूत जानकारी, प्रवृत्ति और मूलभूत दक्षता भी होगी।
4.	विविध जनसंचार माध्यमों से परिचय होने के बाद विद्यार्थियों के लिए मिडिया में रोजगार की संभावनाएं निर्माण होगी |
5.	समाचार लेखन, रेडियो लेखन, पटकथा एवं संवाद लेखन, टेलीविजन, कंटेंट लेखन और ब्लॉग लेखन आदि लेखन कौशल का विकास होगा|
6.	जनसंचार माधयमों में उपयुक्त हिंदी भाषा कौशल का विकास होगा |
7.	एक ओर पत्रकारिता, तो दूसरी ओर मीडिया लेखन या वाचन की ओर विद्यार्थी अग्रेसर होंगे और उनके बौद्धिक तथा वैचारिक स्तर का विकास होगा |

Sophia College for Women (Autonomous)

Affiliated to the University of Mumbai

Program: TYBA

HINDI (Semester V/VI)

COURSE Title: हिन्दी साहित्य का इतिहास Paper IV

Subject de – SBAHIL501/ SBAHIL601

COURSE OBJECTIVES

1.	8वीं सदी से आजतक हिंदी साहित्य के इतिहास का एक विहंगम दृश्य विद्यार्थी के सम्मुख प्रस्तुत करना।
2.	आदिकालीन एवं मध्यकालीन भक्ति एवं रीति कालीन राजनैतिक, धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में तत्कालीन साहित्य की विशेषताओं को उजागर करना।
3.	सिद्ध, नाथ, जैन एवं वीरगाथाओं का परिचय, भक्तिकालीन एवं रीतिकालीन साहित्य को स्पष्ट करना।
4.	आधुनिक काल के विविध युगों जैसे भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद आदि से परिचित करना और उन युगों के साहित्य, साहित्यकारों और युगीन प्रवृत्तियों का ज्ञान देना |
5.	आधुनिक काल के प्रयोगवादी और प्रगतिवादी रचनाकारों नागार्जुन, माखनलाल चतुर्वेदी, केदारनाथ अग्रवाल , धूमिल, मुक्तिबोध आदि से परिचय करना और उनकी कविताओं में वर्णित सर्वहारा वर्ग की दयनीय स्थिति को दर्शाते हुए मानवीय मूल्यों का विकास करना |
6.	हिंदी साहित्य की अनेक विधाओं उपन्यास, नाटक, निबंध आदि के उद्भव और विकास यात्रा की जानकारी देना साथ ही प्रमुख रचनाओं के बारे में बताना |

COURSE LEARNING OUTMES:

1.	हिंदी साहित्य के इतिहास परंपरा को जानकर कालजयी साहित्य, इतिहासकार एवं साहित्यकारों से विद्यार्थी अवगत होंगे और साहित्य की लेखन परम्परा और उसके विकास को समझ पाएँगे |
2.	विद्यार्थी साहित्य के इतिहास को समझ कर तथा साहित्य की कालगत पृष्ठभूमि को जानकर विभिन्न कालों के साहित्य की मुख्य प्रवृत्तियों के अंतर को समझ पाएँगे, अतः चित्तवृत्तियों के विकास को समझ पायेगें।
3	हिंदी साहित्य इतिहास को जानने के पश्चात विद्यार्थी में आत्म-विकास और आत्म-अभिवृद्धि होगी | उनमें विचारों को विस्तारित करने, अनुभवों से सीखने और अपने जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार करने की क्षमता निर्माण होगी |

4.	आधुनिक हिंदी साहित्य के पठन- पाठन से विद्यार्थी आधुनिक युग की परिस्थितियों से अवगत होंगे, उनमें देश प्रेम निर्माण होगा और समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्वों की समझ निर्माण होगी |
5.	आधुनिक युग की रचनाओं की विशेषताओं के माध्यम से कविता में नए प्रयोगों तथा सचेतन कहानी, अकहानी, जनवादी कहानी आदोलनों द्वारा साहित्य के बदलते स्वरूपों से परिचित होंगे |
6	विद्यार्थियों को साहित्य की विविध विधाओं जैसे उपन्यास, नाटक, कहानी, निबंध आदि विधाओ की सृजन प्रकिया की जानकारी होगी, जिससे उनमें सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक समस्यों की जानकारी होगी |

Sophia College for Women (Autonomous)

Affiliated to the University of Mumbai

Program: TYBA

HINDI (Semester V/VI)

COURSE Title: स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य Paper- V

Subject de – SBAHIL502/ SBAHIL602

COURSE OBJECTIVES

1.	इस पत्र का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वतंत्रता के बाद के आधुनिक हिंदी साहित्य (गद्य एवं पद्य) का आस्वाद और संस्पर्श देना है।
2.	आधे-अधूरे' जैसे समकालीन चेतना वाले नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों को नाट्य संस्कार और जीवन यथार्थबोध को समझाना।
3.	रेखाचित्र एवं संस्मरण जैसी विधा का सम्पूर्ण परिचय भक्तिन, रजिया, कमला, ऋषिकेश मुखर्जी के साथ ढाई दिन आदि कृतियों के माध्यम से कराना।
4.	हिंदी की काव्य विधा गीत काव्य से तथा गीतकार गोपाल दास सक्सेना, (नीरज), गोपाल सिंह 'नेपाली', ज्ञानवती सक्सेना आदि से विद्यार्थियों को परिचित करना |
5.	गीतों के माध्यम से विद्यार्थियों में मानवीय संवेदना एवं नए दृष्टिकोण का निर्माण करना |
6.	हिंदी निबंध के माध्यम से समकालीन परिवेश और जीवन मूल्यों और पर्यावरण के विकास का परिचय करना |

COURSE LEARNING OUTMES:

1.	इस पत्र में हिंदी नाटक और गद्य की अन्य विधा जैसे संस्मरण और रेखाचित्र के माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक रचनाकार से परिचित होंगे और रचनात्मक कार्य के प्रति उनमें रुचि निर्माण होगी |
2.	आधे अधूरे में चित्रित पारिवारिक विघटन और सामाजिक बदलावों को विद्यार्थी न केवल समझेंगे बल्कि इनके मूल में निहित अस्तित्वपरक, आर्थिक, मानवीय स्थितिगत कारणों पर भी विचार करने में सक्षम होंगे
3.	रेखाचित्र -संस्मरणों को एवं नाटक को पढने के बाद विद्यार्थी मनुष्य मन की जटिलता, आन्तरिक संसार और दूसरे के मन पर उसके प्रतिबिम्ब को समझ कर अपने अन्दर बेहतर तरीके से साहित्यिक समझ निर्माण कर पाएँगे|

4.	हिंदी गीतों के माध्यम से विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों का विकास होगा, मानवीय संवेदनायें जागृत होगी और नए वैचारिक दृष्टिकोण का निर्माण होगा |
5.	गीतों के माध्यम से कल्पना शक्ति निर्माण होगी और रचनात्मक लेखन में विकास होगा |
6	हिंदी निबंधों से विद्यार्थियों के जीवन में समाज की विसंगतियों से लड़ने की क्षमता निर्माण होगी | मूल्यांकन तथा तर्क शक्ति का विकास होगा |

Sophia College for Women (Autonomous)

Affiliated to the University of Mumbai

Program: TYBA

HINDI (Semester V/VI)

COURSE Title: हिंदी और सूचना प्रौद्योगिकी / सोशल मीडिया Paper-VI

Subject de – SBAHIL503/– SBAHIL603

COURSE OBJECTIVES

1.	विद्यार्थी को सूचना प्रौद्योगिकी जैसे अधुनातन विषय के अंतर्गत हिंदी में कम्प्यूटर पर कामकाज में सक्षम बनाना।
2.	गूगल अनुवाद, अंतर्जाल और हिंदी के परिचय के अलावा रोज़गार एवम् संचार माध्यमों की दिशाओं का परिचय देना।
3.	सूचना प्रौद्योगिकी के अध्ययन से विद्यार्थियों को आईटी कौशलों में सुदृढ़ बनाना और उन्हें इंटरनेट, ईमेल, हिंदी के वेबसाइट, आदि से परिचित करना ताकि वे आगे चलकर उसका व्यापारिक और व्यक्तिगत जीवन में उपयोग कर सके |
4.	सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों जैसे फेसबुक, वट्सऐप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, ब्लॉगिग में हिंदी प्रयोग की समझ निर्माण करना ताकि वे हिंदी में कुशलता से कार्य करें |
5.	सोशल मीडिया का उपयोग करके विद्यार्थियों में सामाजिक न्याय और परिवर्तन के प्रोत्साहन और सामाजिक जागरण फ़ैलाने का कार्य करना साथ ही इससे सम्बन्धित कानून की जानकारी देना |
6.	सोशल मीडिया में आनेवाली कठिनाइयों और चुनौतियों से परिचित करना।

COURSE LEARNING OUTMES:

1.	सूचना प्रोद्योगिकी पेपर के अध्ययन से विद्यार्थी तकनीकि के विविध आयामों का जीवन में व्यवहारिक और सैद्धांतिक रूप से उपयोग करेंगे |
2.	सूचना प्रोद्योगिकी के उपयोग से विद्यार्थी नए नवाचारिक और अभिनव विकल्पों के विकास में सक्षम होंगे, उनके करियर और जीवन में नई संभावनाओं के अवसर प्राप्त होंगे साथ ही कम्प्यूटर में कामकाज का संज्ञान प्राप्त करेंगे |
3	संचार माध्यमों से उनके सम्मुख हिंदी और भारतीय भाषाओं को लेकर शिक्षा, बाजार, अभिव्यक्ति, मनोरंजन के क्षेत्र में रोजगार की अपार सम्भावनाएँ उजागर होंगी।
4.	सोशल मीडिया के माध्यम से विद्यार्थी अपने लेखन, संवाद और विचारों को साझा करने के कौशल को विकसित करेंगे।
5.	सोशल मीडिया के माध्यम से विद्यार्थी उसके सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों के प्रति भी सचेत हो सकेंगे और उससे आने वाली विविध समस्याओं का समाधान कर पाएंगे |

6	विद्यार्थी जीवन में सोशल मीडिया का प्रयोग कर नया संचार और तकनीकों का विकास करेंगे उसके कानून से परिचित होंगे ताकि वे निजी जीवन में आनेवाली समस्याओं का निवारण कर सके |

Sophia College for Women (Autonomous)

Affiliated to the University of Mumbai

Program: TYBA

HINDI (Semester V/VI)

COURSE Title: **साहित्य, समीक्षा, छंद एवं अलंकार Paper VII**

Subject de – SBAHIL504 \SBAHIL604

COURSE OBJECTIVES

1.	साहित्य समीक्षा छंद एवं अलंकार पत्र द्वारा भारतीय काव्यशास्त्र की मूल संकल्पनाओं काव्य, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन से विद्यार्थियों को परिचित करना |
2.	भारतीय काव्य शास्त्र महाकाव्य ,खंडकाव्य , गीतकाव्य तथा गजल एवं मुक्तक आदि का संज्ञान करना |
3.	भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र से तथा भारतीय एवं पाश्चात्य विचारकों और आचार्यों के सिद्धांतों से विद्यार्थियों को परिचित करना |
4.	छात्रों को काव्य में रस का महत्व समझा कर उसके स्थायी भाव ,विभाव आदि अगों से परिचित कराना तथा नौं रसों की जानकारी देना |
5.	शब्द - शक्तियों की पहचान कराना | अभिधा , लक्षणा तथा व्यंजना शब्द - शक्तियों को जानने के बाद छात्रों को काव्य में उसका महत्व उदाहरणों द्वारा स्पष्ट करना |
6.	काव्य में अलंकारों के प्रयोग एवं उपयोग को समझाना |

COURSE LEARNING OUTMES:

1.	भारतीय काव्य - शास्त्र के माध्यम से छात्र संस्कृत, पाश्चात्य एवं हिंदी - विद्वानों द्वारा माने गये काव्य लक्षणों से परिचित होंगे | काव्य के नियम की जानकारी प्राप्त करेंगे |
2.	काव्य के प्रयोजन एवं हेतु जानकर काव्य का आनंद एवं उसे समझने की क्षमता का उनमें निर्माण होगी |
3	काव्य के तत्व, उसके भाव एवं कला पक्ष को समझकर काव्य के विभिन्न प्रकार जैसे महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीतिकाव्य आदि के लेखन -नियम से परिचित होकर कुछ रचनात्मक कार्य करने की ओर अग्रेसर होगें |
4.	छात्र विभिन्न रसों की जानकारी प्राप्त कर काव्य में रस का महत्व समझेंगे काव्य भाव पक्ष का आनंद ले पायेगें
5.	कलाओं की जानकारी प्राप्त कर काव्य कला का महत्व समझेंगे |

6	अलंकारों के विभिन्न उदाहरणों से काव्य में अलंकार का महत्व समझ कर उसका उचित उपयोग सीखेगें।

Sophia College for Women (Autonomous)

Affiliated to the University of Mumbai

Program: TYBA

HINDI (Semester V/VI)

COURSE Title: भाषा-विज्ञान: हिंदी भाषा एवं हिंदी व्याकरण Paper VIII

Subject de – SBAHIL505/ SBAHIL605

COURSE OBJECTIVES

1.	भाषा -विज्ञान के अध्ययन से विद्यार्थियों को भाषा के गठन, संरचना और विकास की जानकारी देना और उन्हें अपनी राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा तथा मानक भाषा के तत्वों और उसके महत्वों से अवगत कराना |
2.	भाषा की विविध शाखाओं जैसे शब्द, रूप, पद, ध्वनि तथा वाक्य रचना का परिचय देना जिससे विद्यार्थी उच्चारण में शुद्धता तथा भाषायी रूपरेखा, उसके उपयोग एवं समाजिक संपर्क करने में सक्षम हो सके |
3.	हिंदी व्याकरण के माध्यम से हिंदी भाषा लेखन में शुद्धता निर्माण करना और हिंदी भाषा के प्रति रूचि निर्माण करना |
4.	प्राचीन आर्यभाषा वैदिक एवं लौकिक संस्कृत से विद्यार्थियों का परिचय करना तथा मध्यकाल की भाषा पालि, प्राकृत, अपभ्रंश से हिंदी का विकास किस प्रकार हुआ उससे परिचित करना |
6.	देवनागरी लिपि से लिपि की विकास यात्रा और उसके गुण और दोष से अवगत करना |
7.	हिंदी व्याकरण में समास, संधि, वाक्य रचना तथा अर्थ के प्रकार को समझाना, जिससे भाषा लेखन की शुद्धता का ज्ञान कराना |

COURSE LEARNING OUTMES:

1.	भाषा विज्ञान के अध्ययन से विद्यार्थी विश्व की अनेक भाषाओँ का तुलनात्मक अध्ययन समझ सकेंगे। वे विभिन्न भाषाओं के बीच संवाद को सुगम और सहज बनाने में सक्षम होंगे |
2.	भाषा विज्ञान का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को भाषा संबंधी विविध क्षेत्रों जैसे कि संपादनकर्ता, प्रसंस्करण अधिकारी, भाषा अधिकारीआदि क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।
3	हिंदी व्याकरण का अध्ययन से विद्यार्थियों में भाषायी रचनात्मकता कौशल निर्माण होगा | हिंदी भाषा और संस्कृति की उनमें समझ निर्माण होगी |
4.	भारतीय आर्यभाषाओं की दीर्घ परम्परा से हिंदी के उद्भव और विकास को समझ लेंगे |
5.	विद्यार्थियों को हिंदी के शब्द समूह और लिपियों का ज्ञान होगा |
6	हिंदी व्याकरण से शुद्ध हिंदी लेखन कर पाएँगे और नियम से अवगत होंगे |

Sophia College for Women (Autonomous)

Affiliated to the University of Mumbai

Program: TYBA

HINDI (Semester V/VI)

COURSE Title: आधुनिक हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि Paper IX

Subject de – SBAHIL506/ SBAHIL606

COURSE OBJECTIVES

1.	इस पाठ्यक्रम भारतीय नवजागरण आन्दोलन के माध्यम से आर्य समाज, प्रार्थना समाज, सत्य शोधक समाज इत्यादि की समाज सुधार में क्या भूमिका रही है, उससे अवगत करना और समाज के प्रति नैतिक मूल्यों का विकास करना |
2.	इस पाठ्यक्रम में आर्य समाज के सामाजिक, दार्शनिक सिद्धांतों का हिंदी कविता और उपन्यास पर पड़ने वाले प्रभाव को बताना साथ ही विचारकों एवं समाज सुधारकों के जीवन तथा सामाजिक कार्यों से परिचय कराना |
3.	राष्ट्रीय चेतना के विकास में पत्र पत्रिकाओं के योगदान को समझाना तथा मनोविश्लेषण के सिद्धान्तों का संबंध साहित्य से जोड़कर विद्यार्थियों में मानसिक मूल्यांकन करने की क्षमता निर्माण करना |
4.	पाठ्यक्रम में मनिविश्लेषणवाद के अध्ययन से फ्रायड के सिद्धांतों को बताना ताकि विद्यार्थियों में विचारशीलता, संवेदनशीलता,समस्याओं के विचारात्मक और तात्विक समाधान तलाशने की क्षमता निर्माण करना
5.	विद्यार्थियों को अस्मितामूलक विमर्श के माध्यम से दलितों एवं आदिवासियों की विविध समस्याओं, उनके समाजिक स्तरों, उनके संस्कृति के बारे में जानकारी देना |
6.	राष्ट्रीय चेतना के विकास में पत्र पत्रिकाओं के योगदान को समझाना और उनमें समाज और राष्ट्र के प्रति संवेदना निर्माण करना |

COURSE LEARNING OUTMES:

1.	विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी नवजागरण की प्रमुख पृष्ठभूमि में राजनीतिक घटनाओं, सामाजिक स्थितियों, उस समय के तत्कालीन परिवेश से अवगत होंगे | उनमें देश और समाज के प्रति सजगता निर्माण होगी |
2.	विद्यार्थी समाज सुधारकों गाँधी, कालमार्क्स, विवेकानंद, रजा राममोहन रॉय एवं आम्बेडकर आदि की विचारधारा से सजग होंगे और उनमें मानवीय मूल्यों, धार्मिकता, सामाजिक न्याय तथा सामाजिक जिम्मेदारी का संज्ञान होगा, जिससे सामाजिक कार्यों में उन्हें रूचि निर्माण होगी |

3	पाठ्यक्रम के माध्यम से स्वतंत्रता आंदोलनों में हिंदी पत्रिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहीं है, जैसे "उदार भारत", "हिन्दुस्तान", "प्रताप", "युगदृष्टि", "आज", "प्रजातंत्र", और "हिंदुस्तानी" इत्यादि पत्रिकाओं से सामाजिक जागरूकता और उनके कार्यों का विद्यार्थियों को संज्ञान होगा |
4.	मनोविश्लेषणवाद एक दार्शनिक परंपरा है, जो मनुष्य के मानसिक और चिंतन प्रक्रियाओं का विश्लेषण करती है। इसके अध्ययन से विद्यार्थी विचारशील, समझदार और सामाजिक स्तर पर जागरूक होंगे और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए सक्षम होंगे |
5.	अस्मिता विमर्श के माध्यम से विद्यार्थियों में दलित समाज के प्रति संवेदना निर्माण होगी, समाज में उनके अस्तित्व को समझेंगे साथ ही आदिवासी समाज की संस्कृति और उनके योगदान से अवगत होंगे जिससे वे अपनी चेतना का विकास कर पाएँगे |
6	राष्ट्रीय आंदोलनों में हिंदी की विभिन्न पत्र - पत्रिकाओं - हंस, कथादेश, आलोचना, धर्मयुग आदि की विस्तारपूर्वक उन्हें जानकारी होगी | समाज के निर्माण में उनकी क्या भूमिका रहीं है उससे वे अवगत होंगे |